**सिविल प्रक्रिया संहिता की धारा 148 के अधीन आवेदन पत्र:**

समय के विस्तार के लिए आवेदनपत्र..............

न्यायालय मुन्सिफ.....................

सिविल प्रक्रीर्ण आवेदन पत्र सं.................. सन्............

(सिविल प्रक्रिया संहिता की धारा 148 के अधीन)

इन

मूल वाद सं.............सन्...........

**अबक**  ........ वादी

बनाम

**कखग**  ......... प्रतिवादी

न्यायालय की डिक्री में यथानिर्देशित की गयी निक्षेप रकम के समय में आगे विस्तार के लिए आवेदन पत्रः

श्रीमान्,

वादी निम्नलिखित रूप में सादर निवेदन करता है

1. यह कि वादी का पिता वाद की देखरेख किया करता और चूँकि उसको विस्तार तक परिशुद्ध कर दिया गया। इसलिए वादी, वादी के वाद की डिक्री करने वाले इस विद्वान् न्यायाधीश के निर्णय तथा विवादास्पद भूमि के विक्रय के विनिर्दिष्ट अनुपालन के लिए ... रुपये की रकम को जमा करने के लिए एक महीने के समय को अनुज्ञात करने के बारे में वादी को सूचित कर सकता था।
2. यह कि वादी निक्षेप हेतु निर्देश के बारे में तारीख.. को सूचना प्राप्त किया। लेकिन चूंकि वादी ने उसके साथ कोई भी अपेक्षित धन नहीं रखता था इसलिए वह इस तारीख तक उसको नहीं जमा कर सकता था और एक महीने की कालावधि के अन्दर इसका निक्षेप करने में असमर्थ होगा जिसको ठीक कल समाप्त होना है।
3. यह कि यह न्याय के हित में समीचीन है कि वादी को कथित रकम का निक्षेप करने के लिए एक महीने की और कालावधि अनुज्ञात की जा सकेगी।

**प्रार्थना**

अतएव, यह सादर प्रार्थना की जाती है कि यह आदरणीय न्यायालय डिक्री में यथानिर्दिष्ट रकम को जमा करने के लिए एक महीने से और अधिक समय बढ़ाने की कृपा करें।

**दिनांकित................ वादी...........**

**आवेदन पत्र के समर्थन में शपथ पत्र**

न्यायालय मुन्सिफ..............

इन

सिविल प्रकीर्ण आवेदन पत्र सं........ सन..........

मूल वाद सं......................... सन..........

**अबक**  ........ वादी

बनाम

**कखग**  ......... प्रतिवादी

अबक................... पुत्र............. ............ उम्र ,................... वर्ष निवासी................... कलकत्ता।

मैं उपर्युक्त शपथकर्ता निम्नलिखित रूप में सत्यनिष्ठा से कथन एवम् प्रतिज्ञान करता हूँ

1. यह कि मै ऊपर नोट किये वाद में वादी हूँ और ऐसे रूप में नीचे दिये गये अभिसाक्ष्य से पूर्णतया परिचित हूँ;
2. यह कि मुझको समय के विस्तार के लिए विविध प्रार्थनापत्र और इस शपथ-पत्र की अन्तर्वस्तुओं को पढ़ा गया और तथा स्पष्ट किया गया और मैं उसको पूर्णतया समझ गया हूँ।
3. यह कि दिये जा रहे आवेदन पत्र के पैरा 1, 2 एवम्. 3 तथा इस शपथ पत्र के पैरा 1 एवम 2 के वे सभी मेरी व्यक्तिगत जानकारी में सत्य है और शपथपत्र का कोई भी भाग मिथ्या नहीं है और कोई भी बात छिपायी नहीं गयी है।

...........में इस तारीख............को सत्यापित किया गया।

**शपथकर्ता**